अमेरीका की यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास डालस द्वारा श्री नवीन जिंदल को सम्मानित किया गया

श्री जिंदल को उनके जन सेवा में योगदान, ज़िम्मेदार कार्पोरेट नागरिक और अपनी कंपनी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में उसका मार्गदर्शन करने के लिए सम्मानित किया

नई दिल्ली, अप्रैल 7, 2010 – सांसद और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक श्री नवीन जिंदल को एक रंगारंग समारोह में अमेरीका की **यूनिवर्सिटी आफ टेक्सास डालस द्वारा** विशिष्ट ऐल्युमिनाए 2010 पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जन सेवा में उनके योगदान, ज़िम्मेदार कार्पोरेट नागरिक और अपनी कंपनी को वैश्विक स्तर पर पहॅुचाने में उसका मार्गदर्शन करने के लिए दिया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री जिंदल ने कहा, ''इतने उत्कृष्ठ संस्थान द्वारा ये पुरस्कार मिलना बहुत गौरव व सम्मान की बात है। देश और समाज के लिए शिक्षा रीढ की हड्डी के समान है। किसी भी देश की उन्नति और समृद्धि उसके युवा और शिक्षा पर निर्भर करती है। बदलाव लाने में युवा एक बहुत ही शक्तिशाली उत्प्रेरक होते हैं और अगर इनका ध्यान से तराशा जाए तो ये समाज में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं तथा विश्व आज जो गरीबी, भूख मरी, निरक्षरता, स्वास्थ्य और कई अन्य समस्याओं से जूझ रहा है उसके हल निकालने में सहायक हो सकते हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''विश्व अभी भी आर्थिक मंदी की चुनौतियों से उभर रहा है। मुझे विश्वास है कि इन चुनौतियों से सीख लेने के बाद, भविष्य में वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मज़बूत नींव रखेगी। भारत ने आर्थिक मंदी के दौर में अपने आप को जिस तरह खड़ा रखा पूरी दुनिया ने यह देखा है और ये एक अध्ययन का विषय बन गया है।''

नवीन जिंदल के नेतृत्व वाली जेएसपीएल को वैश्विक अनुमोदित व्यापार पत्रिका फोर्बस ने अपने अक्टूबर संस्करण में ऐशिया की 50 कम्पनियों की सूची में सम्मिलित किया था। ये पहचान श्री जिंदल के सक्रिय नेतृत्व के कारण मिली है जिसने एक अस्वस्थ कम्पनी को भारत की सबसे ज़्यादा प्रशंसित, कुशल और लाभप्रद संगठनों में बदल दिया।

श्री नवीन जिंदल एक सांसद, एक सफल उद्यमी और खेलों के समर्थक हैं। श्री जिंदल ने सभी भारतीयों को अपने भवन मे राष्ट्रीय झण्डा प्रदर्शित करने के अधिकार को लेकर लगातार एक दशक तक मुहिम चलाई थी। उनके इस अभियान ने भारत ध्वज संहिता 2005 में संशोधन लाने के लिए बाध्य कर दिया जिसमें नागरिकों को ये अनुमति दी गई कि वो रात्रि के दौरान भी स्मारकों पर ध्वज लहरा सकते हैं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सफलतापूर्वक अभियान चलाया और आदरणीय अध्यक्ष द्वारा भारतीय संसद की नियम समिति में ये बदलाव लाया कि बैठते वक्त सांसदों को राष्ट्रीय ध्वज को लेपल पिन की तरह प्रदर्शित करने की अनुमति मिले। श्री जिंदल के एक और प्रयास द्वारा देश के सबसे प्रतिष्ठित संस्थान–संसद में धूम्रपान को प्रतिबंधित किया गया। अग्रसक्रिय सांसद, श्री जिंदल विभिन्न मंत्रालयों की संसदीय समितियों के सदस्य भी हैं।

श्री जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटिड के कार्यकारी उप अध्यक्ष तथा प्रबंधक निदेशक हैं। जेएसपीएल 12 अरब यू.एस. डॉलर, ओ.पी. जिंदल समूह, जो कि भारत की चौथी सबसे बड़ी कंपनी है, का एक भाग है। इस्पात, उर्जा, खनन, मूलभूत सुविधाओं में अपनी प्रतिष्ठित जगह बनाने के बाद, जेएसपीएल बड़े स्तर पर अब तेल, और गैस के क्षेत्रों में भी काम कर रहा है। श्री जिंदल उन 25 भारतीयों में शुमार थे जिन्हें जेनेवा की विश्व आर्थिक मंच द्वारा 2007 में बनाई गई 250 ग्लोबल यंग लीडर्स की सूची में शामिल किया गया था।

For further information, Please contact – Vivek Sharma@ 9818552437